पाठ्यक्रम 2016 –17
कक्षा–अष्टम
विषय– धर्मशिक्षा
प्रथम सत्र

पाठ 1	ओंकार ध्वज
पाठ 2	ईश्वरकासर्वश्रेष्ठनाम
पाठ 3	आत्मबोध
पाठ 4	प्रार्थना
पाठ 5	गायत्री जपकाप्रभाव
पाठ 6	संस्कृतभाषा
पाठ 7	राष्ट्रभाषाहिन्दी
पाठ 8	पंचमहायज्ञ
पाठ 9	डी0 ए0वी0 गान
पाठ 10	योग की पहलीसीढी यम

द्वितीय सत्र

पाठ 11	योग की दूसरीसीढी नियम
पाठ 12	वर्णव्यवस्थाकास्वरुप
पाठ 13	आश्रमव्यवस्था
पाठ 14	किसदरजाऊॅमैं
पाठ 15	आर्यसमाज के नियम 7–10
पाठ 16	सत्यार्थप्रकाश
पाठ 17	डी0ए0वी0 संस्थाएं
पाठ 18	न्यायमूर्तिमेहरचन्दमहाजन
पाठ 19	राष्ट्रीय गीत

डी0 ए0 वी0 सै0 पब्लिकस्कूलपश्चिम एन्क्लेवनईदिल्ली
पाठ्यक्रम 2016 –17
कक्षा–अष्टम
विषय– धर्मशिक्षा

मास+पाठ	विषय	उद्देश्य
रचनात्मकमूल्यांकन–1	ओ3म् ध्वजक्योंफहरानाचाहिए,ओ3म्	1 ओ3म् ध्वज के विषय
अप्रैलमई	ध्वजमेंकितने अक्षरोंकासंयोगहै ।	मेंपूर्ण
अप्रैल–22	ईश्वरकासर्वश्रेष्ठनाम ओ3म् हीहै ओ3म् के बिना	जनकारीहो ।
पाठ 1,2,3	जीवन मेंकोईसार्थकतानहीं । व्यक्तिकोआत्मा व	2 आत्मासेपरमात्मा की
ओंकार ध्वज ,	परमात्माकाबोध सद्ज्ञानप्राप्तकरकेकरनाचाहिए	उपासनाकरें ।
ईश्वरकासर्वश्रेष्ठनाम	। गायत्री जप के	3 गायत्री जपकरनासीखें
,आत्मबोध ,	प्रभावसेइन्द्रियोंकोअपनेवशमेंकरना , ईश्वर के	।
	प्रतिसमर्पणभाव रखनाआदि के विषय	
	मेंचर्चाकरना । कार्यकरें । संस्कृतविश्व की	
मई– 11	प्राचीन धरोहरहै।सभीभाषाओं की जननीहै ।	
पाठ4	संस्कृतमेंसभीविषयोंकासमावेशहै ।	
गायत्री जपकाप्रभाव	अर्वाचीनज्ञानकाभण्डारहै	
	वेदविज्ञानभीसंस्कृतमेंहीनिहितहै ।	
प्रथमचक्रीय परीक्षा	हमारीराष्टभाषाक्योंहै ,क्याकारणहै?	
पाठ 1,2	हिन्दीही एकता के सूत्र मेंपिरोनेकाकार्यकरतीहै ।	
	हिन्दीसभीप्रदेशोंमेंबोलेजानीवालीभाषाहै ।	
	बच्चोंमेंपंचमहायज्ञ के विषय मेंचर्चाकरना ।	
रचनात्मकमूल्यांकन–2	देव यज्ञ क्योंकरें ,क्यालाभहै ,	
जुलाई–24	मातापिताकीसेवाकरें , अतिथियोंकाआदरकरें ,	
पाठ 5,6,7	पशु पक्षी	
अभ्यर्थना , संस्कृतभाषा	,कीट,पतंगआदिकोभोजनदेनेकीप्रवृतिजागृतकरना	
, राष्टभाषाहिन्दी	।	
अगस्त– 22	डी0ए0वी0 गान के माध्यम सेबच्चोंमें डी0ए0	
सितम्बर	वी0 के महापुरुषोंकेबारेमेंचर्चाकरके उनके	1 अपनीप्राचीनसंस्कृत व
पाठ 8,9,10	गुणोंकासमावेशकरना ।	संस्कृतिकोपहचानें ।
पंचमहा यज्ञ ,	योग की पहलीसीढी सेअहिंसा ,सत्य आदि	2

डी0ए0वी0 गान **योग की पहलीसीढी** **यम**	यमों की विस्तृतजानकारीदेना । जिससेबच्चे योगकोअपने जीवन मेंउतारें ।	राष्टभाषाहिन्दीकासम्मान करें । 3 ईश्वर की ओरउन्मुख हों । 1 यज्ञ करने की प्रवृतिबनायें 2 अतिथि ,मातापिता ,गुरुओं कआदरकरनासीखें । 3 अहिंसा ,सत्य आदि के रास्ते परचलें ।

द्वितीय सत्र

मास+पाठ	विषय	उद्देश्य
रचनात्मक 3 **अक्तूबर–17** **पाठ 11, 12 , 13** **योग की दूसरीसीढी नियम , वर्णव्यवस्थाकास्वरुप ,आश्रमव्यवस्था ।** **नबम्बर– 17** **पाठ 14 ,15 ,16** **किसदरजाऊ, आर्यसमाज के नियम , सत्यार्थप्रकाश** **द्वितीय चक्रीय परीक्षा ।** **पाठ 15 ,16**	बच्चोंको शौच ,सन्तोष , तप ,स्वाध्याय ईश्वरप्रणिधाननियमों की विस्तृतजानकारीदेना । इनके अपनानेसेक्यालाभहोगा ,जीवन मेंक्यानवीनताआयेगीबताना । वर्णव्यवस्थाकाप्राचीन व वर्तमानस्वरूपकातुलनात्मक अध्ययन कराना । किसप्रकारसमाज के नियमोंकोबनाये रखतीहैवर्णव्यवस्थाकाविस्तृतविवेचनकरना । समाजमेंआश्रमव्यवस्थाक्योंआवश्यक है । आश्रमव्यवस्था के बिनामानुषिक जीवन मेंक्याउथलपुथलहोतीहैबताना । ईश्वर के दरपरजानेसेक्योंमनुष्य भागताहैइसविषय काविवेचनकरना ,अच्छेकर्मोंकीपरिभाषाबताना , आर्यसमाज के नियममेंस्वामीदयानन्दजी ने मनुष्योंकोक्यानिर्देशदियेहैंतथाउन्हें जीवन मेंउतारनेसेक्यालाभहोसकताहै–जानकारीदेना । सत्यार्थप्रकाशमेंआयेअनेकमतमतान्तरों के विषयोंकातुलनात्मक अध्ययन कराना । अन्धविश्वाससेकैसेबचें । डी0ए0वी0 संस्थाओंकीस्थापना , संचालनआदिकीजानकारीदेतेहुए स्थापना के उद्देश्योंतथाकर्तव्योंकाविस्तारसेविवेचनकरना । न्यायमूर्तिमेहरचन्दजी के कार्यकलापोंतथा	1शौच ,सन्तोषआदिनियमों से जीवन कोपवित्र बनायें । 2 वर्णव्यवस्था के अनुरूपकार्य करें । 3 आश्रमव्यवस्थाकापालन करें । 1 ईश्वर के दरपरहीमस्तिष्क झुकायें । 2 आर्यसमाज के बारेमें जानकारीप्राप्तकरें । 3 सत्यार्थप्रकाशको

रचनात्मकमूल्यांकन–4 **दिसम्बर– 21** **जनवरी** **पाठ 17 ,18 ,19** **डी0ए0वी0 संस्थाऐं , न्यायमूर्ति डा0 मेहरचन्दमहाजन ,राष्टीय गीत ।** **जनवरी +फरवरीमेंपुनरावृतिकरायीजायेगी ।** **नोट–केवल एक हीपंजिकालगेगी।**	उनके प्रारम्भिक जीवन की आपदाओंकावर्णनकरना । एवंभविष्य मेंकैसे जीवन मेंआगे बढे बताना । राष्टीय गीत की वास्तविकतासेअवगतकराना ,इसगीत की स्वतन्त्रतासेक्यासम्बन्ध हैविस्तारसेबताना ।	पढकर अन्धविश्वाससेदूरहों । 1 कर्तव्य भावनाकोजागृतकरें 2 उददेश्यबनाकरहीआगे बढे 3 मुसीबतोंसे न घबरायें । 4अपने देशसेप्यारकरें । 5राष्टीय गीतकासम्मानकरें।